रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

विवि द्वारा रु. 10,54,190/– की सहायता राशि 'कोरोना राहत कोष' में जमा की गई

विवि द्वारा समय पर सभी का वेतन भुगतान किया गया–कुलसचिव

जबलपुर 03 अप्रैल 2020। वर्तमान समय में समूचा विश्व कोरोना वायरस कोविद–19 के संक्रमण से जूझ रहा है। हमारे देश में भी इस महामारी से बचाव के सतत् प्रयास किए जा रहे हैं। महामहिम राज्यपाल श्री लालजी टंडन जी की प्रेरणा तथा प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश में भी कोरोना वायरस के प्रकोप से उबरने हेतु सार्थक प्रयास निरंतर जारी हैं। साथ ही प्रदेश के शासकीय, अशासकीय एवं सामाजिक संस्थाओं से आर्थिक सहयोग की अपील भी की गई है। इसी तारतम्य में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र के 01 माह के वेतन की राशि रु. 1,26,900/– तथा अधिकारियों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं अतिथि विद्वानों के 01 दिन के वेतन की राशि रु. 9,27,290/– अर्थात् कुल रु. 10,54,190/– की सहायता राशि 'म.प्र. शासन कोरोना राहत कोष' में आर.टी.जी.एस. द्वारा स्थानांतरित कर दी गई है। उक्त जानकारी कुलसचिव प्रो. कमलेश मिश्र जी द्वारा दी गई।

विवि द्वारा समय पर वेतन भुगतान किया गया

कुलसचिव प्रो. कमलेश मिश्र द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं अतिथि विद्वानों के वेतन का भुगतान समय पर कर दिया गया है। वेतन का भुगतान की प्रक्रिया को सम्पन्न करने हेतु लेखा विभाग, कुलपति एवं कुलसचिव कार्यालय, स्थापना विभाग के कुछ अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कार्य पर बुलाया गया था। साथ ही स्ववित्तीय मद से संबंधित विभागाध्यक्षों का भी सहयोग लिया गया। उन्होंने यह भी बताया कि आज विश्वविद्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा कोरोना वायरस कोविद–19 के संक्रमण के चलते मास्क पहनकर सोशल डिस्टेंसिंग बनाए रखते हुए वेतन भुगतान संबंधी कार्य त्वरित गति से सम्पन्न किए गए। इस अवसर पर वित्त नियंत्रक श्री ए.के. महोबिया, उपकुलसचिव डॉ. दीपेश मिश्रा, प्रो. आर.के. यादव, प्रो. ममता राव, प्रो. मृदुला दुबे, प्रभारी सुरक्षा डॉ. विशाल बन्ने, प्रभारी सहायक कुलसचिव श्री अशोक कश्यप, श्री राजमणि नासेरी, श्री राजकुमार तिवारी, श्री श्याम बिड़ला, डॉ. अभिमन्यु मिश्रा, श्री प्रेमप्रकाश पुरोहित, श्री दिलीप कोष्टा, श्री राजेश मरावी, श्री केशव प्रसाद, श्री शरद कौशिक, श्री जितेन्द्र कुमार तिवारी आदि का सहयोग उल्लेखनीय रहा।